ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

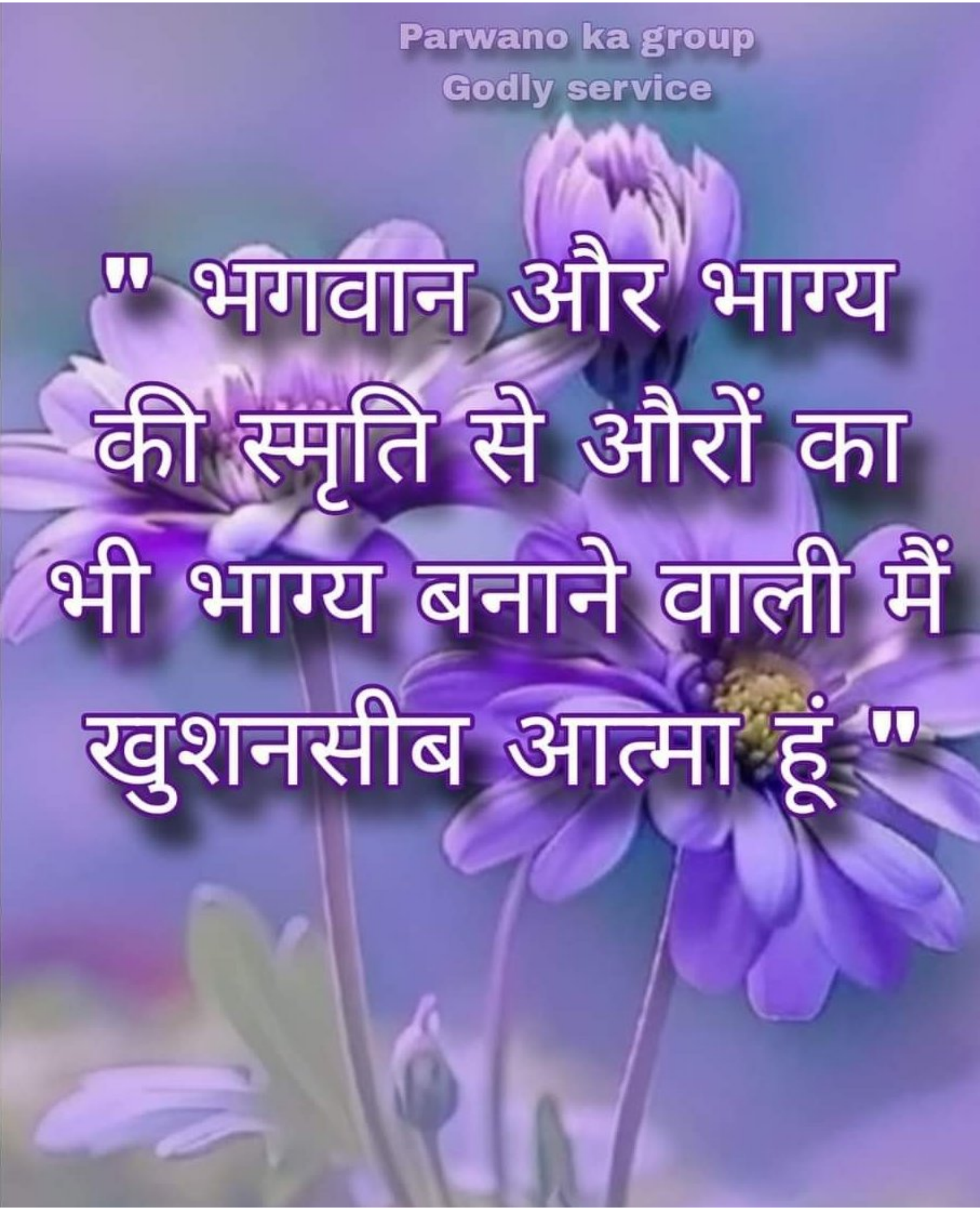
Parwano ka group
Godly service
" भगवान और भाग्य
की स्मृति से औरों का
भी भाग्य बनाने वाली मैं
खुशनसीब आत्मा हूं "

अभी बापदादा की यही दिल की आश है कि - "दाता का बच्चा हर एक दाता बन जाओ।"

अभी बापदादा की यही दिल की आश है कि - "दाता का बच्चा हर एक दाता बन जाओ।" माँगो नहीं यह मिलना चाहिए, यह होना चाहिए, यह करना चाहिए। दाता बनो, एक दो को आगे बढ़ाने में फ्रीखदिल बनो। बापदादा को छोटे कहते हैं कि हमको बड़ों का प्यार चाहिए और बाप छोटों को कहते हैं कि बड़ों का रिगार्ड रखो तो प्यार मिलेगा। रिगार्ड देना ही रिगार्ड लेना है। रिगार्ड ऐसे नहीं मिलता है। देना ही लेना है। जब आपके जड़ चित्र देते हैं। देवता का अर्थ ही है देने वाला। देवी का अर्थ ही है देने वाली। तो आप चैतन्य देवी देवतायें दाता बनो, दो। अगर सभी देने वाले दाता बन जायेंगे, तो लेने वाले तो खत्म हो जायेंगे ना! फिर चारों ओर सन्तुष्टता की, रूहानी गुलाब की खुशबू फैल जायेगी। सुना!

(अव्यक्त बापदादा: 31-12-2000)

/AvyaktMurliEssence

विश्व-महाराजन् बनने के लिए तीन स्टेजिस को पार करना पड़ता है - एक सेकेण्ड में बेहद के त्यागी, बेहद के निरन्तर अथक सेवाधारी और बेहद के वैराग्य वृत्ति।

Avyakt Murli -27-09-75

facebook.com/AvyaktMurliEssence

अव्यक्त शिक्षाएँ

जब स्नेह में बाप के बन जाते हो तो फिर कोई भी ज्ञान की पाइंट सहज स्पष्ट होती जाती। जो स्नेह में नहीं आता वह सिर्फ ज्ञान को धारण कर आगे बढ़ने में समय भी लेता, मेहनत भी लेता। क्योंकि उनकी वृत्ति - क्यों, क्या, ऐसा कैसे इसमें ज़्यादा चली जाती। और स्नेह में जब लवलीन हो जाते तो स्नेह के कारण बाप का हर बोल स्नेही लगता। क्वेश्चन समाप्त हो जाते। बाप का स्नेह आकर्षित करने के कारण क्वेश्चन करेंगे तो भी समझने के रूप से करेंगे।

अ.बापदादा-04.03.86

दादी प्रकाशमणि जी की विशेषतायें

गम्भीरता और नम्रता के गुण से परिपूर्ण

जैसे मम्मा कुमारी होते भी सबको अपनी माँ लगने लगी, ऐसे दादी जी को भी सब मुन्नी माँ कहते थे। उनमें रूहानियत, गम्भीरता और नम्रता ऐसे झलकती थी, जो कुमारी होते भी माँ बन गई, गुणवान बन गई। बाबा मम्मा को जो कहना हो, वह पहले दादी को कहते। दादी के ऊपर बाबा का शुरू से अधिकार रहा है।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय
अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय: पांडव भवन, राजस्थान (भारत)

Dont Be Happy For A Particular Reason.. Bcoz That Happines Ends When Reason Ends.. Be Happy Without Any Reason And you Will Be Happy In Every Season..!

Repeated Actions become a HABIT.
All our Habits become our PERSONALITY.

As will be our Personality, so will be our DESTINY.

Thoughts – Feelings – Attitude – Action –
Habit – Personality – Destiny.

Can we afford to create a single Wrong Thought?

BK SHIVANI

facebook.com/BKShivani | youtube.com/BKShivani

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org